



उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A.Honours)

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली- (CBCS) पाठ्यक्रमप्रारूपम्

(2019-20 सत्रतः प्रभावि)

विशेष –

१. मूलशास्त्रीयविषयः (Core Course)- शुक्लयजुर्वेदः, साहित्यशास्त्रम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्, फलितज्योतिषम्, सिद्धान्तज्योतिषम्, वास्तुशास्त्रम्, पुराणेतिहासः, शाङ्करवेदान्तः, आर्षपाठ्यक्रमः के 14 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा।
२. योग्यताभिवृद्धि- अनिवार्यपाठ्यक्रमः (Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)) के 8 प्रश्नपत्र होंगे। जिसमें से 6 प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट के तथा 2 प्रश्नपत्र बिना क्रेडिट के होंगे।
३. कौशलाभिवृद्धि- अनिवार्यपाठ्यक्रमः Skill Enhancement Course (SEC) के 8 प्रश्नपत्र होंगे। जिसमें से प्रत्येक प्रश्नपत्र 2 क्रेडिट के होंगे।
४. स्वशास्त्रसम्बद्धवैकल्पिक-पाठ्यक्रमः (Elective Discipline Specific (DSE)) के 4 प्रश्नपत्र होंगे। जिसमें से प्रत्येक प्रश्नपत्र छह क्रेडिट का होगा। विकल्प के रूप में संस्कृतम् को रखा गया है, जिसके अधोलिखित में से कोई चार प्रश्नपत्र अपनी इच्छा अनुसार लेने होंगे – शुक्लयजुर्वेदः, साहित्यशास्त्रम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्, फलितज्योतिषम्, सिद्धान्त- ज्योतिषम्, वास्तुशास्त्रम्, पुराणेतिहासः, शाङ्करवेदान्तः आर्षपाठ्यक्रमः। इन विषयों में से वही चार विषय छात्र ले सकेंगे जिन विषयों की अध्यापन व्यवस्था एवं मान्यता विश्वविद्यालय अथवा सम्बद्ध महाविद्यालय में उपलब्ध हो। अन्यथा कि स्थिति में छात्र द्वारा लिया गया वैकल्पिक विषय मान्य नहीं होगा।
५. मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रमः Elective Generic (GE) के चार प्रश्नपत्र होंगे। जिसमें से प्रत्येक प्रश्नपत्र छह क्रेडिट का होगा। मौलिकचयन में अधोलिखित में से कोई एक विषय लेना होगा – हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहासः/समाजशास्त्रम्/राजनोतिविज्ञानम्/अर्थशास्त्रम्/गृहविज्ञानम् /

नेपालीभाषा/पर्यावरणविज्ञानम् इन विषयों में से वही एक विषय छात्र ले सकेंगे जिस विषय की अध्यापन व्यवस्था एवं मान्यता विश्वविद्यालय अथवा सम्बद्ध महाविद्यालय में उपलब्ध हो । अन्यथा कि स्थिति में छात्र द्वारा लिया गया वैकल्पिक विषय मान्य नहीं होगा ।

६. शास्त्री सम्मानित SHASTRI HONOURS(B.A) का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम कुल $36 + 02 = 38$ प्रश्नपत्रों के पूर्णाङ्कों का योग $3600 + 200 = 3800$ होगा । उक्त में 200 अंक योग्यतावृद्धि के होंगे जिन्हें कुल पूर्णांक में योजित नहीं किया जायेगा ।

७. शास्त्री सम्मानित SHASTRI HONOURS(B.A) का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम $36 + 02 = 38$ प्रश्नपत्रों व 160 क्रेडिट का होगा। 38 प्रश्नपत्रों में से 2 प्रश्नपत्र योग्यताभिवृद्धिपाठ्यक्रम AECC-07 (MME).01 राष्ट्रियसेवायोजना एवं AECC-08 (MME).02 आपदाप्रबन्धन , विना क्रेडिट (NON CREDIT) के होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 पूर्णाङ्क का होगा । जिन्हें कुल पूर्णांक में योजित नहीं किया जायेगा ।

८. ध्यातव्य है कि 06 क्रेडिट वाले प्रश्नपत्र में सैद्धान्तिक- मूल्याङ्कन के 80 अङ्क एवं आन्तरिक- मूल्याङ्कन 20 अङ्क का होगा । 06 क्रेडिट से कम वाले प्रश्नपत्रों में आन्तरिक- मूल्याङ्कन नहीं होगा । उक्त आन्तरिक- मूल्याङ्कन चार भागों में विभक्त होगा । यथा-

1. आन्तरिक परीक्षण/ प्रदत्त नियत कार्य

(Internal test / Assignment)-

05

अङ्क

2. शास्त्र सम्बद्ध संगोष्ठी / शास्त्र परिचर्या

{Shastriya paricharya(seminar/symposia)} -

05 अङ्क

3. शिक्षण स्रोत सामग्री का संचयन एवं प्रबन्धन

(Learning Resource Maintenance) -

05 अङ्क

4. उपस्थिति (Attendance) -

05 अङ्क

(75 % = 01 अङ्क, 76 % से 80 % = 02 अङ्क, 81 % से 85 % = 03 अङ्क, 86 % से 90 % = 04 अङ्क, 91 % से अधिक = 05 अङ्क देय होंगे)

कुल योग –

20 अङ्क

नोट – संबन्धित विषयाध्यापक को आन्तरिक मूल्याङ्कन की अंक तालिका एवं तत् संबन्धी सभी मूल्याङ्कित प्रपत्रों को विभागाध्यक्ष के माध्यम से परीक्षा विभाग में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। जिससे आवश्यकता अनुसार परीक्षा विभाग मूल्याङ्कित प्रपत्रों का पुनर्निरीक्षण और छात्र/अभिभावक के मांगने पर सन्तुष्टि हेतु अवलोकनार्थ प्रस्तुत कर सके। परीक्षा विभाग समग्र प्रपत्रों का यथोचित समय तक रखरखाव परीक्षा मानदण्डों के अनुरूप करेगा।

ध्यातव्य –विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पाठ्यक्रम प्रारूप के अनुसार शास्त्री सम्मानित SHASTRI HONOURS (B.A) का संपूर्ण पाठ्यक्रम मूलशास्त्रीयविषय (Core Course) के 14 प्रश्नपत्र, योग्यताभिवृद्धि- अनिवार्यपाठ्यक्रम: Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) के 08 प्रश्नपत्र व कौशलाभिवृद्धि - अनिवार्यपाठ्यक्रम: Skill Enhancement Course (SEC) के 08 प्रश्नपत्र तथा स्वशास्त्रसम्बद्धवैकल्पिक-पाठ्यक्रम: (Elective Discipline Specific (DSE)) के 4 प्रश्नपत्र एवं मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रम: (Elective Generic (GE)) के 4 प्रश्नपत्र कुल 38 प्रश्नपत्र 160 क्रेडिट का निर्धारण किया गया है, साथ ही यह निर्देश भी दिया जाता है कि पाठ्यक्रम में 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 160 क्रेडिट से अधिक का पाठ्यक्रम मान्य नहीं होगा।

संकेताक्षर विवरण –

1. CC = CORE COURSE
(मूलशास्त्रीयविषय:)
2. AECC = Ability Enhancement Compulsory Course
(योग्यताभिवृद्धि- अनिवार्य पाठ्यक्रम:)
3. SEC = Skill Enhancement Course
(कौशलाभिवृद्धि- अनिवार्यपाठ्यक्रम:)
4. DSE = Elective Discipline Specific
(स्वशास्त्रसम्बद्धवैकल्पिकपाठ्यक्रम:)

5. **GE** = Elective Generic
(मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रमः)
6. **MME** = Man Making Education
(मानवीयमूल्यशिक्षापाठ्यक्रमः)
7. **MIL** = Modern India Language
(आधुनिक भारतीय भाषा)
8. **SGPA** = Semester Grade Point Average
(सत्रीयश्रेणी- औसतम्)
9. **CGPA** = Cumulative Grade Point Average(सञ्चयीश्रेणी-औसतम्
)



उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A.Honours)

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम् (2019-20सत्रतःप्रभावि)

प्रथमसत्रम् (I-Semester)

क्र-	विषय-संकेतः	पत्राणि विषयाश्च	पाठ्यग्रन्थाः/ संसाधनानि	सैद्धान्तिक- मूल्याङ्कनम्	आन्तरिक- मूल्याङ्कनम्	पूर्णा ङ्काः	क्रेडिट
101	CC-01	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
102	CC-02	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
103	AECC-01	योग्यताभिवृद्धि अनिवार्यपाठ्यक्रमः अंग्रेजी		--	--	100	02
104	GE-01 *	मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रमः (हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहासः/समाजशास्त्रम् /राजनीतिविज्ञानम्/अर्थशास्त्रम्/ गृहविज्ञानम् /नेपालीभाषा/पर्यावरणविज्ञानम्) अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
105	SEC-01	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः पर्यावरणविज्ञानम्-1		--	--	100	02
106	SEC-02	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः संस्कृतम् - 1		--	--	100	02
योगः						600	24

नोट- * विषयसङ्केतः GE मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रम इत्यन्तर्गतेषु हिन्दी-अंग्रेजी-इतिहासादिषु विषयेषु तमेव विषयं छात्राश्चेतुमर्हा भविष्यन्ति यस्य विषयस्य मान्यता शिक्षकश्च संस्थायालमुपलब्धौ भवेताम् ।

द्वितीयसत्रम् (II-Semester)

क्र-	विषय-संकेतः	पत्राणि विषयाश्च	पाठ्यग्रन्थाः/ संसाधनानि	सैद्धान्तिक- मूल्याङ्कनम्	आन्तरिक- मूल्याङ्कनम्	पूर्णा ङ्काः	क्रेडिट
107	CC-03	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
108	CC-04	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
109	AECC-02	योग्यताभिवृद्धि-अनिवार्यपा ठ्यक्रमः पर्यावरणविज्ञानम्-1		--	--	100	02
110	SEC-03	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः अंग्रेजी-1		--	--	100	02
111	GE-02	मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रमः (हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहासः/समाजशास्त्रम्/ राजनीतिविज्ञानम्/अर्थशास्त्रम्/ गृहविज्ञानम् / नेपाली भाषा,पर्यावरणविज्ञानम्) अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
112	SEC-04	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः संस्कृतम्-2		--	--	100	02
योगः						600	24

तृतीयसत्रम् (III-Semester)

क्र-	विषय- संकेतः	पत्राणि विषयाश्च	पाठ्यग्रन्थाः/ संसाधनानि	सैद्धान्तिक- मूल्याङ्कनम्	आन्तरिक- मूल्याङ्कन म्	पूर्णाङ्का :	क्रेडिट
113	CC-05	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
114	CC-06	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
115	CC-07	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
116	GE-03	मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रमः (हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहासः/समाजशास्त्रम्/ राजनीतिविज्ञानम्/अर्थशास्त्रम्/ गृहविज्ञानम् /नेपालीभाषा/पर्यावरणविज्ञानम्) अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
117	SEC-05	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः संगणकः (कम्प्यूटर)-1		--	--	100	02
118	AECC-03	योग्यताभिवृद्धि-अनिवार्यपा ठ्यक्रमः हिन्दी-1		--	--	100	02
119	AECC-04	योग्यताभिवृद्धि- अनिवार्यपाठ्यक्रमः संस्कृतम्-1		--	--	100	02

योगः	700	30
------	-----	----

चतुर्थसत्रम्(IV-Semester)

क्र-	विषय- संकेतः	पत्राणि विषयाश्च	पाठ्यग्रन्थाः/संसाधनानि	सैद्धान्तिक- मूल्याङ्कनम्	आन्तरिक- मूल्याङ्कनम्	पूर्णाङ्काः	क्रेडिट
120	CC-08	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
121	CC-09	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
122	CC-10	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
123	GE-04	मौलिकचयनात्मकपाठ्यक्रमः (हिन्दी/अंग्रेजी/इतिहासः/समाजशास्त्रम्/ राजनीतिविज्ञानम्/अर्थशास्त्रम्/ गृहविज्ञानम् / नेपालीभाषा/पर्यावरणविज्ञानम्) अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
124	SEC-06	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः संगणकः (कम्प्यूटर) -2		--	--	100	02

125	AECC-05	योग्यताभिवृद्धि- अनिवार्यपाठ्यक्रमः संस्कृतम्-2		--	--	100	02
126	AECC-06	योग्यताभिवृद्धि-अनिवार्यपा ठ्यक्रमः अंग्रेजी -2		--	--	100	02
योगः						700	30

क्र-	विषय- संकेतः	पत्राणि विषयाश्च	पाठ्यग्रन्थाः/ संसाधनानि	सैद्धान्तिक- मूल्याङ्कन म्	आन्तरिक- मूल्याङ्कन म्	पूर्णा ङ्काः	क्रेडिट
127	CC-11	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
128	CC-12	मूलशास्त्रीयविषयः अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80	20	100	05 01
129	DSE-1*	स्वशास्त्रसम्बद्धवैकल्पि क- पाठ्यक्रमः - संस्कृतम्-1 (शुक्लयजुर्वेदः/ साहित्यम्/नव्यव्याकरणम्/ प्राचीनव्याकरणम्/		80		100	05

		सिद्धान्तज्योतिषम्/फलितज्यो तिषम् /वास्तुशास्त्रम् /पुराणेतिहासः/शाङ्करवेदान्तः /आर्षपाठ्यक्रमः) अनुशिक्षणम् (Tutorial)			20		01
130	DSE-2	स्वशास्त्रसम्बद्धवैकल्पि क- पाठ्यक्रमः – संस्कृतम्-2 (शुक्लयजुर्वेदः/ साहित्यम्/नव्यव्याकरणम्/ प्राचीनव्याकरणम्/ सिद्धान्तज्योतिषम्/फलितज्यो तिषम् /वास्तुशास्त्रम् /पुराणेतिहासः/शाङ्करवेदान्तः /आर्षपाठ्यक्रमः) अनुशिक्षणम् (Tutorial)		80		100	05
					20		01
131	SEC-07	कौशलाभिवृद्धिपाठ्य क्रमः हिन्दी-2		--	--	100	02
योगः						500	26
132	AECC-07	योग्यताभिवृद्धि-अनिवार्य - पाठ्यक्रमः (MME-1) राष्ट्रियसेवायोजना (NON CREDIT)		--	--	100	NC

पञ्चमसत्रम् (V-Semester

षष्ठसत्रम् (VI-Semester)

[illegible]

		पाठ्यक्रमः) अनुशिक्षणम् (Tutorial)					
137	SEC-08	कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः हिन्दी-3		--	--	100	02
योगः						500	26

138	AECC-08	योग्यताभिवृद्धि-अनि वार्य- पाठ्यक्रमः (MME-2) आपदाप्रबन्धनम् (NON CREDIT)		--	--	100	NC
-----	---------	--	--	----	----	-----	----

CC -14+AECC-08+SEC-08+DSE-04+GE-04 = 38 Papers

24 +24+ 30+ 30+ 26+ 26=160 Credits

600+ 600+ 700+ 700+ 500+ 500 =3600 Total Marks

नोट- *1- विषयसङ्केतः **DSE** स्वशास्त्रसम्बद्धःवैकल्पिकःपाठ्यक्रमः- संस्कृतमित्यन्तर्गतेषु शुक्लयजुर्वेद-नव्यव्याकरण-प्राचीनव्याकरण-साहित्य-सिद्धान्तज्योतिष-फलितज्योतिष-वास्तुशास्त्र-शाङ्करवेदान्त-पुराणेतिहास-आर्षपाठ्यक्रमविषयेषु तमेव विषयं छात्राश्चेतुमर्हा भविष्यन्ति यस्य विषयस्य मान्यता शिक्षकश्च संस्थायामुपलब्धौ भवेताम् ।

2-विश्वविद्यालये महाविद्यालये वा विषयसङ्केतः **DSE** स्वशास्त्रसम्बद्धःवैकल्पिकःपाठ्यक्रमः - संस्कृतम् इत्यत्र निर्दिष्टानां विषयाणामध्यापनव्यवस्थायां मान्यतायाञ्च सत्यां चतुर्षु प्रश्नपत्रेषु पृथक्-पृथक्-विषयाणामपि चयनं छात्रेच्छाया अधीनमस्ति।

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honors)
विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)
पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)
विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः- 100

सैद्धान्तिकः- 80
आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

प्रथमसत्रम्(I-Semester)

प्रथमपत्रम् CC-1	पाठ्यग्रन्थः- जन्मपत्रदीपकः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	पञ्चाङ्गपरिचयः, इष्टकालसाधनम्, अभीष्टस्थानस्य-सूर्योदयसाधनम्, चालनम्, ग्रहस्पष्टीकरणम्।	16	1
2.	भयात-भभोगसाधनम्, चन्द्रस्पष्टीकरणम्, अयनांशज्ञानम्, पलभाज्ञानम्।	16	1
3.	चरणखण्डसाधनम्, लंकोदयमानानि, स्वोदयमानानि, लग्नसाधनम्।	16	1
4.	नतसाधनम्, दशमलग्नसाधनम्, ससन्धिद्वादशभावसाधनम्।	16	1
5.	विंशोपकबलसाधनम्, विंशोत्तरी-दशासाधनम्, अन्तर्दशा-साधनम्।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थाः-

1. भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्-मीठालाल हिम्मताराम ओझा, देवर्षि प्रकाशन, वाराणसी।
2. भारतीयज्योतिषम्-शिवनाथ झारखण्डी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
3. विद्यापीठपञ्चाङ्गम्-श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली।

द्वितीयपत्रम् CC-2	पाठ्यग्रन्थः- मुहूर्तमार्तण्डः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	शुभे त्याज्यविषयाः, नक्षत्राणां देवताः, नक्षत्राणां संज्ञाः, दिनरात्रिमुहूर्तः, स्त्रीणामासर्तुफलम्, सर्वकृत्येषु सामान्यलग्नबलम्।	16	1
2.	गर्भाधानसमयः, पुंसवन-सीमन्तोन्नयनेमुहूर्तः, नामकर्म, शिशोः दोलारोहणम्, भूम्युपवेशनम्, दुग्धपानमुहूर्तः, कर्णवेधमुहूर्तः, अन्नप्राशनम्, गुरुशुक्रयोरस्तादिविवरणम्, चूड़ाकरणम्, वर्णक्रमात् चूड़ाकरणे वारादि।	16	1

3.	व्यक्ति-काल-भेदात् क्षौरनिर्णयः, साधारणक्षौरम्, अक्षरारम्भः, उपनयनकालः, उपनयनादौ गुरुशुद्धिः गुरोर्वामवेधः, उपनयनोक्तनक्षत्राणि वेदाधिपाः ग्रहशुद्धिश्च उपनयने लग्नभङ्गम्, केशान्तं मौञ्जीमोक्षणं छुरिकाबन्धनश्च।	16	1
4.	मेलापके गुणक्रमः, वश्यगुणः तारायोनिविचारः, योनिवैरम्, राशीशाः, ग्रहमैत्री, गणभकूटविचारः, भकूटे ग्राह्यः षट्काष्टकं द्विर्द्वादशं नाडी च, दुष्टकूटादेः परिहारः, वर्णवश्यतारायोनिगुणाः, ग्रहगणगुणविचारः भकूटनाडीगुणः, मेलापके गुणबोधककोष्ठानि, मेलापके उदाहरणम्।	16	1
5.	विवाहसमयः, वैवाहिकनक्षत्राणि, वेधविचारः, कर्मभेदाद् वेधनिर्णयः, वेधभङ्गो लतादोषः, विवाहे दोषान्तराणि, विवाहे सन्धिदोषश्च।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
 शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honours)
 विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)
 पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)
 विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः- 100
 सैद्धान्तिकः- 80
 आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

द्वितीयसत्रम्

तृतीयपत्रम् CC-3	पाठ्यग्रन्थः-ताजिकनीलकण्ठीप्रथमतन्त्रम्	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अघट्टाः	क्रेडिट
1.	द्वादशराशिस्वरूपम्, राशीनां मित्रामित्रविभागः, वर्षप्रवेशसाधनम्, तिथिसाधनम्, चालनम्।	16	1
2.	ग्रहस्पष्टीकरणम्, चन्द्रस्पष्टीकरणम्, लग्नसाधनम् दशमलग्नसाधनम्, ससन्धिद्वादशभावसाधनञ्च।	16	1
3.	पञ्चवर्गीबलसाधनम्, द्वादशवर्गीसाधनम्, द्वादशभावानां शुभाशुभफलम्, पञ्चाधिकारिणः।	16	1
4.	वर्षेर्निर्णयश्च, ग्रहाणां स्वरूपम्, ग्रहाणां दृष्टिः ग्रहमैत्रीचक्रञ्च, षोडशयोगानां लक्षणं फलञ्च।	16	1
5.	सहमानयनम्, मुद्वादशा-पात्यंशदशासाधनम्, वर्षफलविवेचनम्।	16	1

6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1
----	---	----	---

अष्टमपत्रम् CC-4	पाठ्यग्रन्थः- मुहूर्तमार्तण्डः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	भद्राकरणचक्रम्, गण्डान्तदोषः, कुलिक-कण्टक-यमघण्ट काल यामार्धदोषाः, कुलिक-कण्टक-यमघण्टक-काल-ज्ञानकोष्ठम्।	16	1
2.	दुर्महूर्त-क्रान्तिसाम्य-मृत्युयोगाः विषघटीदोषः, विषघटीस्पष्टीकरणम्, विवाहलग्ने शुभाशुभग्रहाः, दोषाणां परिहारः।	16	1
3.	ससन्धि-भावसाधनम्, नतसाधनम् कर्तरीदोषः तत्परिहारश्च, पञ्चकदोषः तत्परिहारश्च, लग्ननवांशशुद्धिः तत्परिहारश्च, लग्ननवांशज्ञानम्, उदयास्तशुद्धिः।	16	1

4.	होरासाधनम्, जामित्रदोषस्तत्फलञ्च, ग्रहदृष्टिः षड्वर्गश्च, वर्गाणां साधनम्, वर्गाणां कोष्ठानि, इष्टदिने सूर्येष्टकालयोरानयनम्, इष्टकाले विशेषः, गोधूलिः, वेदी, क्रमोपकरणमुहूर्ताश्च बधूप्रवेशमुहूर्तः।	16	1
5.	प्रथमाषाढादौ कन्यायाः पतिगृहे वासफलम्, पुनर्भूविवाहः, विविधसिद्धान्ताः। वर्ज्यविषयाः, अक्षतयोन्याः कन्यायाः पुनर्विवाहनिर्णयः, स्त्रीकानां कर्तव्यं, विषकन्यायोगौ च विषकन्यायोगान्तरं मूलजानां फलञ्च, कर्तव्याकर्तव्यौ, सूतके व्यवस्था, जननाशौचे सिंहं गुरौ च व्यवस्था।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honours)
विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)
पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)
विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णा
ङ्काः- 100
सैद्धान्तिकः- 80
आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

तृतीयसत्रम्

पञ्चमपत्रम् CC-5	पाठ्यग्रन्थः-षट्पञ्चाशिका	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	प्रथमद्वितीयतृतीयाध्यायाः, केन्द्रस्थानानां विचारः, तन्वादिद्वादशभावानां शुभाशुभज्ञानम्, गमागमविचारः, शत्रोर्मार्गेनिवृत्तिज्ञानम्, स्थायीयायी शुभाशुभज्ञानम्, जयपराजयज्ञानम्।	16	1
2.	नागरयायी शुभाशुभज्ञानम्, सन्धिविरोधज्ञानम्, शुभाशुभलक्षणविचारः, रोगाऽर्तस्य शुभाशुभज्ञानम्, प्रवासचिन्ता, नष्टप्राप्तिज्ञानम्, लाभालाभज्ञानम्, विवाहज्ञानम्।	16	1
3.	प्रश्नकाले वृष्टिज्ञानम्, तस्करस्य स्वरूपज्ञानम्, नृपतिदिनचर्याज्ञानम्। प्रथमद्वितीयतृतीयभावेषु सूर्यचन्द्रभौमबुधफलविचारः।	16	1
4.	चतुर्थपञ्चमषष्ठभावेषु सूर्यचन्द्रभौमबुधफलविचारः, सप्तमाष्टमनवमभावेषु सूर्यचन्द्रभौमबुधफलविचारः, दशमैकादशद्वादशभावेषु सूर्यचन्द्रभौमबुधफलविचारः।	16	1
5.	प्रथमद्वितीयतृतीयभावेषु गुरुशुक्रशनिराहुकेतुफलविचारः, चतुर्थपञ्चमषष्ठभावेषु गुरुशुक्रशनिराहुकेतुफलविचारः, सप्तम-अष्टम-नवमभावेषु गुरु-शुक्र-शनिराहुकेतुफलविचारः,	16	1

	दशम-एकादश-द्वादशभावेषु गुरुशुक्रशनिराहुकेतुफलविचारः।		
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थः

1. प्रश्नभूषणम्-आचार्य गुरुप्रसाद गौड़, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

षष्ठपत्रम् CC-6	पाठ्यग्रन्थः-जातकालङ्कारः (सम्पूर्णः)	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	तन्वादि-द्वादशभावाः, द्वादशभावानां संज्ञा, ग्रहाणां नैसर्गिकमैत्री, ग्रहाणां दृष्टि-विचारः, भावाध्यायः, तन्वादिद्वादशभावानां फलविचारःभावानुसारविचारणीयाः विषयाः।	16	1
2.	योगाध्यायः, अनिष्टयोगाः, परजातयोगाः, विविधरोगयोगाः।	16	1
3.	नपुंसकयोगाः, अन्यरोगयोगाः, विषकन्यायोगाध्यायः।	16	1
4.	आयुर्दायाध्यायः, अल्पायु-मध्यमायु-दीर्घायुयोगाः।	16	1
5.	वैपरीत्यस्थभावफलाध्यायः कुलप्रसिद्धयोगाः भाग्यवानयोगाः	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थः

1. जालकालङ्कारः, सत्यम पब्लिकेशन नई दिल्ली

सप्तमपत्रम् CC-7	बृहद्वास्तुमाला (आदितः द्वारस्थापनविचारपर्यन्ता)	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	गृहनिर्माणप्रयोजनम्, गृहनिर्माणे लग्नविचारः, ग्रामवासनराकृतिचक्रम्, काकिणीविचारः, भूमिलक्षणम्।	16	1
2.	भूमिशोधनम्, इष्टिकानामानि स्थापनानि च, शिलान्यासविधिः, गृहनिर्माणेत्याज्यकाष्ठानि, वृक्षच्छेदनमुहूर्तः।	16	1
3.	गृहोच्चमानम्, प्लवफलम्, भूमिशोधने सूत्रनिर्णयः शल्यशोधनम्, शल्यनयनप्रकारः।	16	1
4.	दिक्साधनम्, पिण्डानयनम्, आयसाधनम्, शालाध्रुवाङ्कानामानयनम्।	16	1
5.	गृहस्यषोडशनामानि, वास्तुनिवेशनम्, गृहारम्भकालशुद्धिः, वृषवास्तुवत्सचक्रम्, कूर्मचक्रम्, द्वारस्थापनम्, द्वारनिर्णयः।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honours)
विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)
पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)
विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः:-

100

सैद्धान्तिकः- 80

आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

चतुर्थसत्रम्

अष्टमपत्रम् CC-8	पाठ्यग्रन्थः- मुहूर्तमार्तण्डः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	जन्म-नामराशिविषयनिर्णयः मेलापके नामनक्षत्रज्ञानम्, मेलापके राशिज्ञानच अग्न्याधानप्रकरणे-अग्न्याधानकालः।	16	1
2.	गृहप्रकरणे- ग्रामशुभाशुभविचारः, काकिणीविचारः भूवर्णश्च वर्णभेदाद् भूप्लवत्वं शल्योद्धारश्च, शल्योद्दारे प्राचीनवचनानि, भूमौ शुभाशुभज्ञानम् दिक्साधनम्।	16	1
3.	गेहारम्भः वृषवास्तुचक्रम्, गृहद्वारकरणम्, आयभेदाद् द्वारः राशिभेदाद् द्वारः गृहमुखवेधः तत्परिहारश्च, नक्षत्राद्राशिज्ञानम्, गृहनामानि, गृहगुणविचारणाविधिः, स्थलसाधनम् गृहे सूत्रन्यासः।	16	1
4.	गृहे शंकुशिलान्यासः, गृहे द्वारप्रदेशः, मुख्यगृहादुपकरणगृहाणां दिशः, आयादिकं कुत्र न विचार्यम्, गृहे प्रवेशभेदाः, प्रवेशे लग्नशुद्धिः वामरविश्च।	16	1
5.	गोचरप्रकरणे-जन्मराशेः ग्रहाणां शुभाशुभत्वं ताराबलं च ग्रहाणां वेधः, सङ्क्रान्तिप्रकरणे-सङ्क्रान्तौ पुण्यकालः, अधिमासक्षयमासलक्षणम्, ग्रन्थालंकारः, ग्रन्थप्रमाणम्, ग्रन्थरचनाकालः।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

नवमपत्रम् CC-9	पाठ्यग्रन्थः- भुवनदीपकः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	गृहाधिपद्वारम्, ग्रहोच्चनीचद्वारम्, शत्रुमित्रद्वारम्, राहुगृहोच्चनीचद्वारम्,केतुस्थितिद्वारम्, ग्रहस्वरूपादिद्वारम्, द्वादशभावविचारद्वारम्,इष्टकालसाधनद्वारम्, लग्नविचारद्वारम्, विनष्टग्रहविचारद्वारतः स्त्रीप्राप्तिविचारद्वारपर्यन्तम्।	16	1
2.	विनष्टग्रहविचारद्वारम्, राजयोगद्वारम्,लाभाऽलाभविचारद्वारम्, लग्नेशस्थितिद्वारम्, गर्भक्षेमद्वारम्,गर्भिणीप्रसवद्वारम्, अपत्ययुग्मप्रसवद्वारम्, गर्भमाससंख्याज्ञानद्वारम्, स्त्रीप्राप्तिविचारद्वारम्।	16	1
3.	विषकन्यानिर्णयद्वारम्, भावान्तग्रहद्वारम्, विवाहविचारद्वारम्, विवादविचारद्वारम्, संकीर्णपदनिर्णयद्वारम्, दीप्तपृच्छाद्वारम्, पथिकगमनागमनद्वारम् मृत्युर्योगद्वारम्, दुर्गभंगद्वारम्।	16	1
4.	चौर्यादिस्थानद्वारम् गर्भादिप्रश्नद्वारम्, क्रयाणकार्थद्वारम्, नौमृतिबन्धनद्वारम्, अतीतदिनलाभादिद्वारम्, लग्नेशांशलाभद्वारम्।	16	1
5.	द्रेष्काणादिफलज्ञानद्वारम्, दोषज्ञानद्वारम्, दिनचर्याज्ञानद्वारम्, गर्भादिप्रश्नज्ञानद्वारम्।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

दशमपत्रम् CC-10	पाठ्यग्रन्थः-बृहद्वास्तुमाला (गृहप्रवेशप्रकरणतः समाप्तिपर्यन्तम्)	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	त्रिविधगृहप्रवेशः, कालशुद्ध्यादिकम्, प्रवेशनक्षत्रेषु शुभाशुभफलानि,प्रवेशे शुभलग्नानि, जीर्णगृहप्रवेशविचारः, गृहारम्भोक्तमासाः, जीर्णगृहप्रवेशे निषिद्धनक्षत्राणि।	16	1
2.	त्रिविधप्रवेशेऽपि वास्तुपूजा, अश्वगृहनिर्माणे चरणविचारः, गृहवाटिकायां त्याज्यवृक्षविचारः, दिग्विभागेनवृक्षारोपणविचारः।	16	1
3.	वृक्षारोपणम्, वृक्षारोपणेकालनिर्णयः, सेचनविधिः, बीजविधानम्, कूपनिर्माणफलम्, मण्डपादिनिर्माणप्रकारः।	16	1
4.	दकार्गलम्, दिगीशाः, शिरानामानि, शिराचिन्हनिर्देशाः, दिग्विभागेन कूपलक्षणम्, कूपचक्रम्।	16	1
5.	कूपमुहूर्ताः, तडागचक्रम्, वृक्षायुर्वेदाध्यायः, देवमन्दिरनिर्माणप्रयोजनम्, देवालयोक्तवास्तुपुरुषलक्षणम् द्वारविभागश्च, जलाशयारामदेवप्रतिष्ठामुहूर्ताः।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थः

1. बृहद्वास्तुमाला प्रयोग
- 2.

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honors)
विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)
पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)
विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः-
100
सैद्धान्तिकः- 80
आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

पञ्चमसत्रम्

एकादशपत्रम् CC-11	पाठ्यग्रन्थः-जैमिनीसूत्रम् (सम्पूर्णम्)	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	प्रथमपादः - मङ्गलाचरणम्, राशिदृष्टिः, ग्रहदृष्टिः, दृष्टिचक्रम्, अङ्गज्ञानचक्रम्, अर्गलायोगः, अर्गलाबाधकः, स्पष्टग्रहचक्रम्, द्वादशभावचक्रम्, राश्यर्गलाचक्रम्, गुलिकज्ञानप्रकारः, चरकारकाः, स्थिरकारकाः, चरदशाविचारः, पदनिरूपणम्, होरादिषड्वर्गाः।	16	1
2.	द्वितीयपादः - आत्मकारकनवांशवशतो ग्रहाणां फलविचारः, कारकांश-राशिफलम्, कारकांशकुण्डल्यांग्रहस्थित्या फलानि, केमद्रुमयोगः। तृतीयपादः - पदप्रकरणम्, राजयोगाः, बन्धनयोगः, शुभयोगाः। चतुर्थपादः - उपपदप्रकरणम्, गौरादिवर्णज्ञानम्, परजातयोगः।	16	1
3.	प्रथमपादः -आयुर्दायनिरूपणम्, कक्ष्याहासः, कक्ष्यावृद्धिः, निधनयोगाः, अल्पायु-मध्यायु-दीर्घायुयोगाः, महेश्वर-रुद्र-शूल-ब्रह्मग्रहाः।	16	1
4.	द्वितीयपादः -मातृपितृनिधनकारकग्रहाः, मातृपितृनिधनकालः, निधनकाले विशेषः। तृतीयपादः -अन्तर्दशाक्रमः, स्थिरदशाक्रमः, अन्तर्दशाचक्रम्, राशिबलनिरूपणम्, शूलदशा ग्रहबलविचारः।	16	1
5.	चतुर्थपादः -चरान्तर्दशाबलविचारः, चरान्तर्दशाफलम्, राशिकेन्द्रादिदशाविचारः, ग्रहकेन्द्रादिदशा, नक्षत्रदशा, योगार्धदशा, दृग्दशा, त्रिकोणदशा, विविधदशाफलादेशश्च।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

द्वादशपत्रम् CC-12	पाठ्यग्रन्थः- बृहज्जातकम् (आदितोऽरिष्टाध्यायपर्यन्तम्)	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	ग्रन्थनिर्माणप्रयोजनम्, होराशब्दार्थः, कालपुरुषः, नक्षत्रपुरुषः उच्चनीचविभागः, वर्गोत्तममूलत्रिकोणविचारः, राशिवर्णबलविचारः, ग्रहाणां स्वरूपम्, ग्रहाणां स्थानादिबलविचारः, ग्रहाणां वर्णप्रकृतिद्रव्यादिविचारः।	16	1
2.	ग्रहाणां राजादिविभागविचारः, ग्रहाणां पर्यायवाचीशब्दाः, वियोजनजन्मनिर्णयः, वियोजनवर्णविचारः, चतुष्पदजन्मविचारः, पक्षीजन्मविचारः, वृक्षादिजन्मविचारः, गर्भाधानकालनिर्णयः, गर्भपुष्टिविचारः, गर्भपातविचारः।	16	1
3.	षट्क्लीबयोगाः, यमलगर्भयोगाः, प्रसवकालनिर्णयः, पितृपरोक्षजन्मयोगाः, पारजातजन्मयोगाः, सर्पवेष्टितजन्मयोगाः, मातृपरित्यक्तयोगाः, प्रसूतिगृहविचारः।	16	1
4.	दीपविचारः, सूतिकागृहविचारः, उपसूतिकाविचारः, द्रेष्काणवशात् अंगविचारः।	16	1
5.	सद्योमरणयोगाः, चन्द्रकृत्-अरिष्टविचारः, लग्नकृत्-अरिष्टविचारः, भौमादिग्रहकृतअरिष्टविचारः, अरिष्टकालनिर्धारणम्।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थः

1. लघुजातकम्-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी।

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honours)
विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)
पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)
विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः:-

100

सैद्धान्तिकः- 80

आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

षष्ठसत्रम्

त्रायोदशपत्रम् CC-13	पाठ्यग्रन्थः-शिल्पदीपकः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	प्रथमप्रकरणम् -सूत्रधारलक्षणम्, गृहारम्भमुहूर्तम्, मानप्रमाणम्, हस्तधारणविधिः, सूत्रभेदाः, चैत्रादिद्वादशमासफलम्, सौरमासविचारः, दिक्साधनम्, भूमिपरीक्षा, प्लवविचारः, भूमिशोधनार्थं शल्योद्धारः, प्रश्नानुसारेणशल्यज्ञानम्, पञ्चसु कर्मसु वास्तुपुरुषपूजनम् तत्फलानि, वृक्षच्छायादिनिर्णयः।	16	1
2.	द्वितीयप्रकरणम् - आयनामानि, आयफलाफलम्, आयस्थानानि, भक्षकायज्ञानम्, गणनक्षत्रगणमैत्रीगुणदोषञ्च, राश्यानयनविधिः, चन्द्रदिशाविचारः	16	1
3.	तृतीयप्रकरणम् - व्ययानयनम्, व्ययाष्टसंज्ञानि, अशंकानयनम्, यमांशस्थानानि, ताराविचारः, योनिविचारः, दशविधद्वारम्, ध्वजदण्डस्यवस्तारः, दण्डप्रकारः, ध्वजमानम्।	16	1
4.	चतुर्थप्रकरणम् - द्वारस्थापनविधिः पदभागेस्तम्भविधिः कपाटविचारः, भूमिविचारः, वास्तुभङ्गादोषः, कोणविचारः, राहुविचारः, ध्रुवादिषोडशगृहाणां नामानि।	16	1
5.	पञ्चम् एवं षष्ठप्रकरणम् - राजगृहाणां मानं चक्रवर्तिनोगृहप्रमाणम्, सामन्तलक्षणं तद्गृहप्रमाणञ्च, मन्त्रिगेहमानम्, द्वारस्थापनविचारः, दशविधद्वारः, विद्यावाद्यभोजनपाकगृहाणि। गृहारम्भे पञ्चाङ्गशुद्धिः, लक्ष्मीयुक्तगृहयोगम्, एकाशीतिकोष्ठकम्, तत्र देवतास्थानानि, गृहप्रवेशे कलशवास्तुचक्रम्, अशुभसूचकान् शकुनान् विचारः, शिलान्यासपद्धतिः	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थः

1. वृहदवास्तुमाला- पं. रामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी।

चतुर्दशपत्रम् CC-14	पाठ्यग्रन्थः- बृहज्जातकम् (आयुर्दायाध्यायतः नाभसयोगाध्यायपर्यन्तम्)	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	पिण्डायुर्दायविचारः, चक्रपातहानिविचारः, क्रूरोदयहरणविचारः, प्राणिनां परमायुर्योगविचारः, जीवशर्मायुर्विचारः, सत्यायुर्विचारः, अमितायुर्योगविचारः, आयुर्विचारसंस्काराः।	16	1
2.	सूर्यादिग्रहाणांअष्टकवर्गस्थानम्, सूर्यादिग्रहाणामअष्टकवर्गफलनिरूपणम्, लग्नाष्टकवर्गविचारः, धनदातृगृहनिर्णयम् धनागमविशेषविचारः, सूर्यादिग्रहाधारेण जीविकाज्ञानम्।	16	1
3.	पापग्रहाधारेण राजयोगविचारः, वंशानुक्रमेण राजयोगविचारः, राज्यलाभसमयनिर्धारणम्, तस्करपतियोगविचारः। दशेशानां क्रमः, दशावर्षनिर्णयः, अन्तर्दशा-निर्णयः, अन्तर्दशा-वर्षज्ञानम्, निसर्गदशा क्रमः, दशाप्रवेशेणफलनिर्णयः, सूर्यादिग्रहाणां दशाफलविचारः।	16	1
4.	नाभसयोगानां संख्या, आश्रयदलयोगविचारः, गदा-शकट-विहग-श्रृंगाटक-हलयोगविचारः, गदा-शकट-विहग-श्रृंगाटक-योगफलविचारः, वज्रयवकमलवापी योगविचारः।	16	1
5.	वज्रयवकमलवापीयोगफलविचारः यूपशरशक्तिदण्डयोगविचारः यूपशरशक्तिदण्डयोगफलविचारः नौकूटछत्रचाप-योगविचारः, नौकूटछत्रचाप-योगफलविचारः।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थः

1. लघुजातकम्- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी।

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honours)

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)

स्वशास्त्रसम्बद्ध-वैकल्पिक-पाठ्यक्रमः

विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः:- 100

सैद्धान्तिकः- 80

आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

पञ्चमसत्रम्

DSE-1	पाठ्यग्रन्थः- जन्मपत्रनिर्माणम्	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई (भागः)	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	पञ्चाङ्गपरिचयः, सूर्योदयसाधनम्, अभीष्टस्थानस्य- इष्टकालसाधनम्, चालनम्, हगाति ग्रहस्पष्टीकरणम्।	16	1
2.	भयात्-भभोगसाधनम्, चन्द्रस्पष्टीकरणम्, अयनांशज्ञानम्, चरखण्डसाधनम्।	16	1
3.	लंकोदयमानानि, स्वोदयमानानि, लग्नसाधनम्।	16	1
4.	नतसाधनम्, दशमलग्नसाधनम्, ससन्धिद्वादशभावसाधनम्।	16	1
5.	विंशोपकबलसाधनम्, विंशोत्तरी-दशासाधनम्, अन्तर्दशा- साधनम्।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सहायक ग्रन्थाः-

1. जन्मपत्रदीपकम्-डॉ. रत्नलाल, सत्यम् प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्-मीठालाल हिमतराम ओझा, देवर्षि प्रकाशन, वाराणसी।
3. भारतीयज्योतिषम्-शिवनाथ झारखण्डी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
4. विद्यापीठपञ्चाङ्गम्-श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली।

DSE-2	पाठ्यग्रन्थः-चमत्कारचिन्तामणिः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई (भागः)	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	92 भावस्थ सूर्यविचारः सूर्यफलच, चन्द्रविचारः चन्द्रफलञ्च।	16	1
2.	भौमविचारः भौमफलम्, बुधविचारः बुधफलम्।	16	1
3.	वृहस्पतिविचारः वृहस्पतिफलम्, शुक्रविचारः शुक्रफलम्।	16	1
4.	शनिविचारः शनिफलम्, राहुविचारः।	16	1
5.	राहुफलम्, राहुकेत्वोः विचारः फलञ्च।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

शास्त्रिसम्मानितपाठ्यक्रमः (B.A. Honours)

विकल्पाधरित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम्(२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)

स्वशास्त्रसम्बद्ध-वैकल्पिक-पाठ्यक्रमः

विषयः-फलितज्योतिषम्

पूर्णाङ्काः- 100

सैद्धान्तिकः- 80

आन्तरिक-मूल्यांकनम्- 20

षष्ठसत्रम्

DSE-3	पाठ्यग्रन्थः- मुहूर्तपारिजातः	पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई (भागः)	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	विवाहकाण्ड- विवाह प्रथा का आविर्भाव, मेलापक प्रशाखा, वर-लक्षण, प्रश्न द्वारा विवाह चिन्तन। अष्ट-कूट-विचार वर्ण-गुण-चक्र, वश्य-विचार, वश्य-गुण-चक्र, तारा-विचार, तारा गुण-चक्र, योनि, योनि-बोधक चक्र, गुण-विभाग चक्र, योनि-गुण-चक्र।	16	1
2.	ग्रह-मैत्री, गुण-विभाग, गुण-बोधक-चक्र, ग्रह-मैत्री प्रशंसा, ग्रह-मैत्र्यापवाद, गुण विचार, गुण-बोधक-चक्र, गुणापवाद, भूकूट-विचार, राशयैक्य व उसके चार भेद, द्विर्द्वादश, अपवाद व परिहार।	16	1
3.	त्रिरेकादश, चतुर्थ-दशम, नव पंचम, षडष्टक, समसप्तक, भूकूट-गुण-विभाग, नाडी-विचार, पर्व गणना, नाडी गुण-विभाग, सर्वकूटापवाद-परिहार, गुणैक्य चिन्तन, वर्गविचार, वर्गज्ञान-चक्र, स्त्रीदूरविचार, कूट-मेलापकापवाद, ग्रहमेल-विचार, मंगल-विचार, विधुर-योग, वैधव्य योग, विषकन्या-विचार, जन्म नक्षत्र विचार।	16	1
4.	मिथ्याबोधा : सपरिहार, वाग्दान-मुहूर्त, वर-कन्या-वरण-मुहूर्त, विवाहोपयोगी तथ्य, विवाह भेद, विवाह-मुहूर्त प्रशाखा, वर्ष-शु, ग्रह-शु, गुरु-शुक्रास्तादि विचार, अयन-शु, मास-शु, जन्म-मास, पक्ष पूर्व तिथि शु, योग एवं करण शु, लग्न-शु, दिवा-रात्रि-विवाह विचार, विवाह-लग्न, ब्राह्मणादि-विवाह विचार, विवाह-लग्न, ब्राह्मणादि वर्णानुसार लग्न, बधिरान्धादि लग्न।	16	1

5.	जन्मलग्नादि विचार, अष्टमादिलग्न दोष, कर्तरी दोष, ग्रहों के निकृष्ट स्थान, ग्रहों के मध्यम स्थान, लग्न-गोचरापवाद, सर्वदोषापवाद, विवाह के शस्ताशस्त योग, विवाह के नन्दादि 30 प्रशस्त शुभयोग, विवाह के चक्र, वापी, बहुमती आदि, अशुभ योग- कालशुद्ध्यापवाद, विवाह, के 21 दोष, उदयास्त शुद्धाशुद्धि, मासान्त दोष, षड्वर्ग शुद्धि, कुनवांश दोष, लत्तादि दोष-दशक-प्रशाखा, लत्ता-सारणी, पात-सारणी, वेधा-दोष, पंचशलाका-चक्र और उसका फल, जामित्र-दोष, बाण-दोष, खार्जूरदोष, एकार्गल चक्र, मूर्धा-नक्षत्र, उपग्रह दोष, क्रान्ति-साम्य, दग्ध-तिथि, लत्तादि दश दोषापवाद, विवाह-रेखा-निर्धारण।	16	1
6.	अनुशिक्षणम्(Tutorial)आंतरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

DSE-4	पाठ्यग्रन्थ:-वास्तुरत्नावली	पूर्णाघट्टा: 80+20	क्रेडिट 06
इकाई (भागः)	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	भूपरिग्रहाध्यायः, शल्योद्धाराध्यायः।	16	1
2.	दिग्ज्ञानाध्यायः, गृहचतुर्दिक्षुवृक्षरोपणनिर्णयाध्यायः।	16	1
3.	वास्तुपूजनविवेकाध्यायः, नृपादिगृहपरिमाणनिर्णयाध्यायः।	16	1
4.	गृहद्वारनिर्णयाध्यायः, स्तम्भरोपणाध्यायः।	16	1
5.	वास्तुनिर्णयाध्यायः, गृहप्रवेशनिर्णयाध्यायः, विधिविवेकाध्यायः।	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आंतरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

